रोहिणी, दिल्ली में राष्ट्र का पहला हैलीपोर्ट

राष्ट्र का प्रथम हैलीपोर्ट

पवन हंस द्वारा रोहिणी, नई दिल्ली में राष्ट्र के प्रथम हैलीपोर्ट का निर्माण किया गया है। इस हैलीपोर्ट से हैलीकॉप्टर प्रचालन की सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएगीं जिसके परिणामस्वरूप व्यस्ततम इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ कम हो सकेगी और देश के उत्तरी भाग से नियमित यात्री सेवाएं, हैली सेवाएं, हैलीकॉप्टरों की लैंडिंग एवं पार्किंग, हैलीकॉप्टर अनुरक्षण सेवाएं (MRO), आपदा प्रबंधन, हैलीकॉप्टर आपात चिकित्सा सेवाएं (HeMS), कानून एवं न्याय व्यवस्था के लिए चौकसी हेतु हैलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध करवाए जाने से क्षेत्रीय हवाई सम्पर्कता को बढ़ावा भी मिलेगा।

इस हैलीपोर्ट में 150 यात्रियों की क्षमता से युक्त टर्मिनल भवन, 16 हैलीकॉप्टरों के लिए पार्किंग क्षमता से युक्त 4 हैंगर तथा 9 पार्किंग बे निर्मित की गई हैं। पवन हंस द्वारा इस हैलीपोर्ट से सभी प्रमुख गंतव्यों जैसे दिल्ली से शिमला, हरिद्वार, देहरादून, मथुरा, आगरा, मेरठ तथा मानेसर एवं बहादुरगढ़ इत्यादि जैसे औद्योगिक हबों से सम्पर्कता के लिए एक रोडमैप भी बनाया गया है ।

पवन हंस लिमिटेड द्वारा "एयरपोर्ट हब" की अवधारणा के अनुरूप जुहू, मुम्बई, गुवाहाटी,असम तथा दक्षिण में एक एक "हैली हब" के विकास के लिए कार्य किए जा रहे हैं तथा रोहिणी इस श्रृंखला का पहला कदम है। इन हैली हबों से हैलीकॉप्टर व्यवसाय के लिए

एकल प्वांइट समाधान प्रदान किया जाएगा तथा ये हैलीपैड/हैलीपोर्ट सार्वजनिक यात्री सेवाएं, हैलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए अनुरक्षण, मरम्मत एवं ओवरहॉल (MRO) सुविधाएं प्रदान करने के साथ पॉयलटों, विमान अनुरक्षण इंजीनियरों (AMEs) तथा तकनीशियनों के लिए कौशल विकास केन्द्र की सेवाएं भी देंगे।